DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Shrimati Priyanka Chaturvedi; not present. Dr. Ashok Bajpai.

Need for action against miscreants resorting to writing of anti-caste slogans on the walls of the Jawaharlal Nehru University

डा. अशोक बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): महोदय, देश की राजधानी के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की दीवारों पर जाति विशेष के विरुद्ध आपत्तिजनक नारों का लिखा जाना सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने का कुत्सित प्रयास लग रहा है। जो विश्वविद्यालय कभी अपनी शैक्षणिक एवं सोचपरक उत्कृष्टताओं के लिए जाना जाता था, आज वह टुकड़े-टुकड़े गैंग और अलगाववादियों के समाज विरोधी कृत्यों का केन्द्र बनता जा रहा है। आज विश्वविद्यालय सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के केन्द्र के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। अभी विश्वविद्यालय की दीवारों पर जाति विशेष के विरुद्ध जिस तरह के नारे लिखे गए, वे अराजक तत्वों की समाज विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित करते हैं। वैसे जेएनयू में भित्ति चित्रों एवं ऐसी कलाओं के माध्यम से अपने उद्‌गारों की अभिव्यक्ति पहले भी होती रही है, परंतु अभी की घटना में कुछ जातियों को देश छोड़ने के नारे लिख कर वामपंथी और अलगाववादी ताकतें क्या संदेश देना चाहती हैं? निरंतर देश की जनता द्वारा ऐसे तत्वों को नकार दिए जाने के बाद भी हताशा में इस तरह के नारे आदि लिख कर वैमनस्यता को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। जेएनयू विश्वविद्यालय प्रशासन एवं भारत सरकार को इस घटना को गंभीरतापूर्वक लेकर ऐसे शरारती और सांप्रदायिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है।

जो जातियाँ देश की आजादी की लड़ाई में अग्रिम भूमिका का निर्वहन करती रहीं, देश के निर्माण में जिनकी भागीदारी अनुकरणीय रही है, जो अपनी प्रतिभा और मेधा से समाज को आगे बढ़ाने में सक्रिय रही हैं, उनके विरुद्ध जान-बूझ कर घृणा पैदा करने का उनका यह प्रयास अत्यंत निन्दनीय है।

अत: मैं लोक महत्व के इस विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए सरकार से तत्काल कार्रवाई किए जाने की माँग करता हूँ।

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

LT. GEN. (DR.) D.P. VATS (RETD.) (Haryana): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI PABITRA MARGHERITA (Assam): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI NARESH BANSAL (Uttarakhand): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI BRIJLAL (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI KAILASH SONI (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI AJAY PRATAP SINGH (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Shri Sanjay Singh; not present. Shrimati Jebi Mather Hisham.

Need for inclusion of maximum number of people under the National Social Assistance Programme (NSAP)

SHRIMATI JEBI MATHER HISHAM (Kerala): Sir, I thank you for having given me the opportunity. It is the duty of the nation to ensure a dignified life for the deprived